International Journal of Physical Education, Sports and Health 2022; 9(2): 214-215

P-ISSN: 2394-1685
E-ISSN: 2394-1693
Impact Factor (ISRA): 5.38
IJPESH 2022; 9(2): 214-215
© 2022 IJPESH
www.kheljournal.com
Received: 07-01-2022
Accepted: 09-02-2022

Dr. Anil Kumar Mishra
Associate Professor, Institute of Physical Education, Sports and Yogic Science, Dr. R.M.L. Avadh University, Ayodhya, Uttar Pradesh, India

Corresponding Author:
Dr. Anil Kumar Mishra
Associate Professor, Institute of Physical Education, Sports and Yogic Science, Dr. R.M.L. Avadh University, Ayodhya, Uttar Pradesh, India

खेलों में महिलाओ की भागीदारी के प्रति अभिभावकों के दृष्टिकोण का अध्ययन

Dr. Anil Kumar Mishra

सारांश
इस अध्यन का प्रमुख उद्देश्य महिला खेलों के प्रति अभिभावको के दृष्टिकोण आंकलन करना है। इस इस हेतु सर्वेक्षण द्वारा प्राप्त आंकड़ो के विश्लेषण हेतु अयोध्या (उत्तर प्रदेश) के महाविद्यालयो में अध्यनरत 100 छात्राओ के अभिभावकों का चयन किया गया है। आंकड़ो के वर्गीकरण हेतु एक स्व निर्मित Questionarie का प्रयोग हुआ है। अभिभावको से महिलाओ की खेलों भागीदारी से संबंधित प्रश्न पूछे गए हैं जिन्हे दो विकल्पों (सहमत एवं असहमत) में वर्गीकृत कर यह पाया है कि 67% अभिभावको द्वारा सकारात्मक जवाब मिले हैं जबकि इस विषय में असहमति प्रदर्शित करने वाले अभिभावको का 33% भाग विभिन्न कारणों को आधार मानते हैं।

कूटशब्द: शारीरिक स्वास्थ्य, महिला खेल, महाविद्यालयीन छात्राएं, अभिभावक

प्रस्तावना
खेल शारीरिक तथा मानसिक गतिविधियों का संयुक्त हिस्सा होते हैं। खेलों में भागीदारी ना केवल शारीरिक विकास को प्रभावित करती है बल्कि मानसिक स्वास्थ्य की उत्तम स्थिति को बनाये रखने एवम विभिन्न सामाजिक तथा सांस्कृतिक कौशलो के विकास में अति महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाती है। महिलाओं के संदर्भ में खेलों का विषय केवल शारीरिक या मानसिक विकास तक ही सीमित नही रह जाता है बल्कि इन्ही खेलों द्वारा ही महिलाओं का सशक्तिकरण तथा पितृ सत्ताधारी सामाजिक व्यवस्था के भीतर ही महिलाओं के समानांतर विकास की परिकल्पना को साकार किया जा सकता है। खेल तथा शारीरिक गतिविधियों में नियमित रूप से भागीदारी द्वारा महिलाओं में तनाव के स्तर को नियंत्रित करने में तथा कामकाजी महिलाओं की दोहरी भूमिका (पारिवारिक + कार्य क्षेत्र) के मध्य संतुलन स्थापित करने मे शारीरिक गतिविधियों के योगदान को सकारात्मक कारण माना जा सकता है। इस दिशा में पूर्व मे किये गए विभिन्न शोध भी इसी बात की पुष्टि करते हैं कि खेलों के प्रति शिक्षित अभिभावकों का महिला खेलों के प्रति दृष्टिकोण सदैव सकारात्मक रहता है अथवा शिक्षित माता पिता एवं महिला खेलों में भागीदारी के प्रति दृष्टिकोण तथा खेलों के महत्व के मध्य सार्थक सम्बन्ध पाया जाता है।

अध्ययन उद्देश्य
इस अध्ययन का प्रमुख उद्देश्य खेलों में महिलाओं की भागीदारी के प्रति अभिभावकों के दृष्टिकोण का अध्ययन करना है। इस अध्ययन के अंतर्गत शारीरिक गतिविधियों के महत्व तथा अभिभावकों के दृष्टिकोण के मध्य संबंध को समझने का प्रयास किया गया है।

अध्यन प्रविधि
इस अध्यन के अंतर्गत आंकड़ो की प्राप्ति हेतु सामान्य सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

प्रतिदर्श का चयन
खेलों में महिलाओं की भागीदारी के प्रति अभिभावकों के दृष्टिकोण को समझने हेतु अयोध्या (उत्तर प्रदेश) के महाविद्यालयो में अध्यनरत छात्राओ के 100 अभिभावकों का चयन यादृच्छिक प्रतिदर्श प्रक्रिया द्वारा किया गया है।

संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन

Urmila *et al*. (2018) द्वारा महिला खेलों के प्रति अभिभावकों के दृष्टिकोण का अध्ययन करने की दृष्टि से भिवानी (हरियाणा) के लगभग 400 स्कूली लड़कियों के अभिभावकों का चयन कर स्व निर्मित प्रश्नोतरि का प्रयोग करके 12 प्रश्नो का निर्माण कर उनके विकल्पों को लिकार्ट पैमाने पर "पूर्ण सहमत" तथा "पूर्ण असहमत " के आंकड़ो के रूप मे दर्ज किया तथा प्राप्त आंकड़ो के आधार पर यह सिद्ध हुआ कि माता पिता का लड़कियों तथा महिला खेलों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण है। अभिभावक खेलों के महत्व को समझते हैं। Kamlesh Soni *et al*. (2015) द्वारा खेलों में माहिलाओ भी भागीदारी के प्रति अभिभावको के दृष्टिकोण का अध्ययन करने हेतु ग्वालियर (मध्य प्रदेश) के सरकारी तथा निजी शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत 200 छात्राओ के अभिभावको द्वारा स्व निर्मित प्रश्नोतरी के माध्यम से महिला खेलों के विषय में आंकड़ो को एकत्रित किया तथा आंकड़ो के विश्लेषण में यह पाया कि उनमें से बहुत बढ़ी संख्या में माता पिता महिलाओ की खेलों में भागीदारी के प्रति सकारात्मक सोच रखते हैं। इनके अतिरिक्त Umar Rashid (2016) व अन्य अध्ययनकर्ताओ द्वारा इस विषय पर अध्यन किया गया है।

चर (Variable)

पूर्व में की गयी शोधों के पुनरावलोकन के आधार पर इस अध्यन में खेलों में महिलाओं की भागीदारी के प्रति अभिभावकों के दृष्टिकोण को चर के रूप में प्रयुक्त किया गया है।

आंकड़ो का संग्रहण

आंकड़ो के संग्रहण हेतु एक स्व निर्मित Questionarie का प्रयोग हुआ है। अभिभावको से महिलाओ की खेलों भागीदारी से संबंधित प्रश्न पूछे गए हैं जिन्हे दो विकल्पों में वर्गीकरण किया गया है "पूर्ण सहमत", "पूर्ण सहमत"।

आंकड़ो का विश्लेषण व उनका वर्गीकरण

तालिका 1: आंकड़ो का सामान्य वितरण

	अभिभावकों के उत्तरो की आवृत्ति	प्रतिशत
सहमत	67	67%
असहमत	33	33%
कुल	100	100%

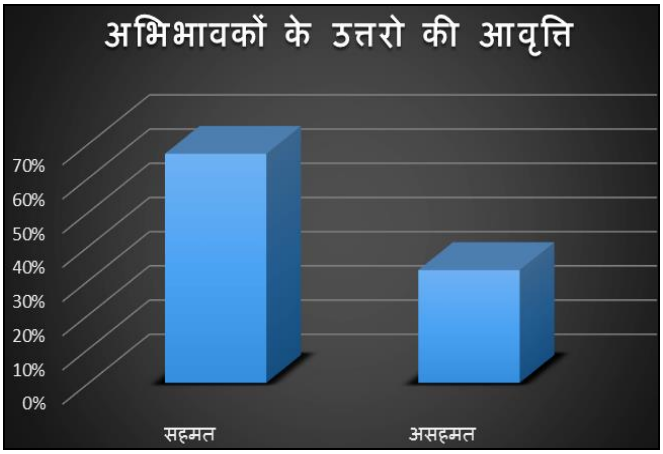

तालिका 1 एक सामान्य वितरण प्रणाली है जिसके अंतर्गत प्रदर्शित आंकड़े तथा उनके प्रतिशत को सामान्य सांख्यिकीय विधि द्वारा ज्ञात किया गया है। आंकड़ो के विश्लेषण द्वारा ज्ञात होता है कि कुल अभिभावकों (n=100) में से 67% अभिभावकों इस महिला खेलों के महत्व तथा शारीरिक शिक्षा एवं शारीरिक विकास के प्रति सकारात्मक रवैया रखते हैं अर्थात् कुल प्रतिदर्शो मे से 67 अभिभावकों की पूर्ण सहमति प्रदर्शित हुई है। इसके अतिरिक्त 33% अभिभावकों का इस विषय पर असहमति प्रदर्शित की गयी है जिनके विभिन्न कारण प्रकाश में आये हैं जैसे महिलाओं के प्रति पुरुष प्रधानता का प्रभाव, रूढ़िवादी परंपराएँ, महिलाओं के प्रति अभद्र टिप्पणी का सामना, खेल प्रदर्शन के दौरान उनकी ड्रेस को लेकर भी इन अभिभावकों ने इस विषय पर असहमति जताई है।

निष्कर्ष

प्रस्तुत अध्यन के आधार पर यह कहा जा सकता है कि आधुनिक परिदृश्य में महिला खेलों तथा महिलाओं की खेलों में भागीदारी के प्रति सकारात्मक सोच रखने वाले अभिभावकों की संख्या का अनुपात बढ़ा है। शनै शनै खेलों के प्रति लोगों के सकारात्मक दृष्टिकोण ने खेलों के स्तर तथा खिलाडियों के स्तर में अत्यंत ही आवश्यक परिवर्तन किये हैं। अभिभावक सामान्य शिक्षा के साथ साथ शारीरिक शिक्षा के महत्व को भी समझने लगे हैं। चूंकि शारीरिक शिक्षा तथा खेल ना केवल महिलाओं का शारीरिक विकास करते हैं बल्कि उनके मानसिक विकास एवं जीवन उपयोगी आवश्यक वस्तुओ की प्रति उनकी पहुँच को सुनिश्चित भी करती है।

संदर्भ सूची

1. Urmila and Dr. Ishwar Singh. A study of attitude of parents toward female sports, International Journal of Physiology, Nutrition and Physical Education. 2018;3(1):1060-1061.
2. Umar Rashid Dar, Arental attitude towards female participation in sports, International Journal of Applied Research. 2016;2(10):518-520.
3. Kamlesh Soni, Usha Tiwari, Dr. Dhirendra Tiwari, Parental Attitude Towards Female's Participation in Physical Activities, International Journal of Physical Education, Health and Social Science. 2015;4(1):05-09.